पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार–नुक्कड़ नाटक का मंचन

*वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में एक माह तक चल रहे शिविर में नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति **"परिवर्तन की पाठशाला"** का आयोजन दिनांक 02.02.2024 को किया गया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सामान्य जन हेतु **"पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार"** का सन्देश नाट्य मंचन द्वारा था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मेला क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाले आगन्तुकों एवं दर्शनार्थियों को वानिकी के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वन बढ़ाने के क्रम में सरकार द्वारा लगाए जा रहे वृक्षों की देखभाल करना तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। गंगा को प्रदूषित करने में मनुष्य की विभिन्न विपरीत गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही इन गतिविधियों में बदलाव लाकर गंगा को स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नुक्कड़ नाट्य संस्था की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों की सराहना किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवा निवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया। इसी क्रम में उन्होने वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा किये गये प्रयास हेतु केन्द्र की सराहना की। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा माघमेला, प्रयागराज द्वारा बचाव ही हमारा कर्तव्य है के उद्देश्य को पूरा करने के क्रम में अग्निशमन कर्मियों द्वारा किसी माध्यम से लगने वाली आग से सुरक्षित रहने के लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी साथ ही पर्यावरण सुधार में अग्निशमन को भी एक अंग बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा नुक्कड़ नाट्य कलाकारों को धन्यवाद् ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक कुमार एवं अन्य कर्मचारी गण के साथ अग्निशमन विभाग के सुग्रीव यादव, टीम हेड, राम कृष्ण पाण्डेय, एफ.एस.डी., नरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन तथा समशेर अली, फायर मैन आदि उपस्थित थे।*

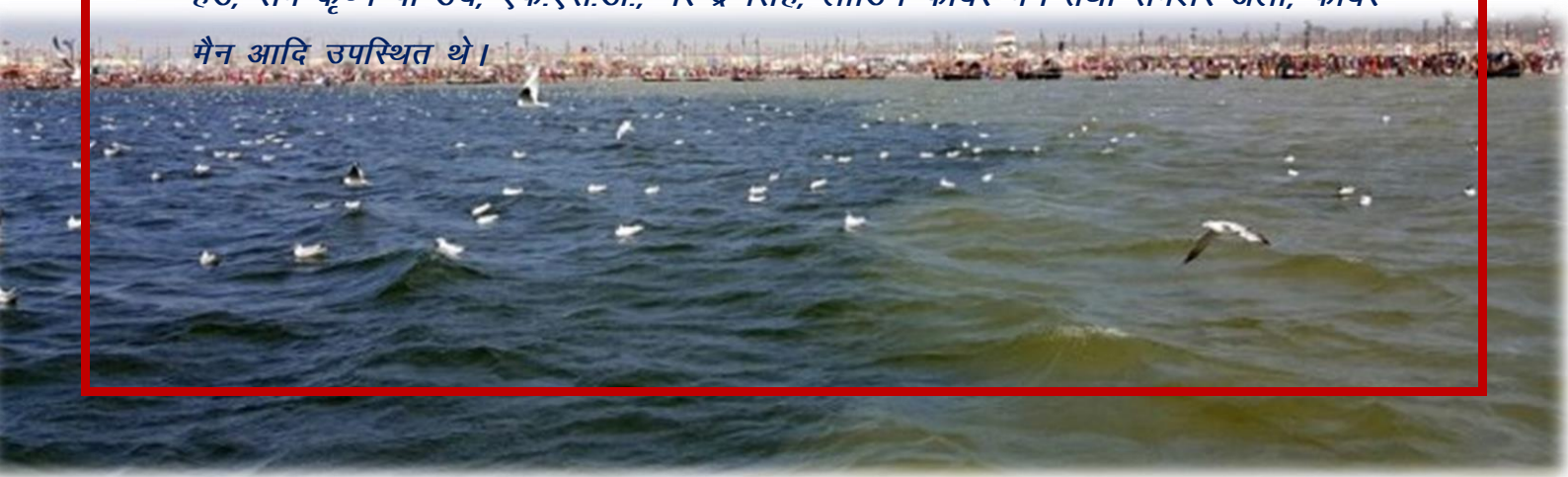

कार्यक्रम की झलकियां

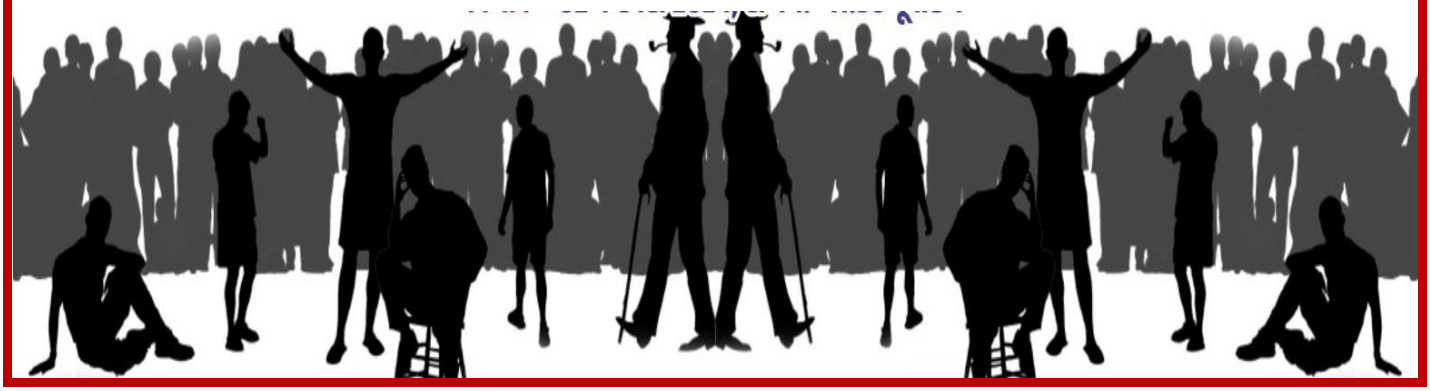

कार्यक्रम की झलकियां

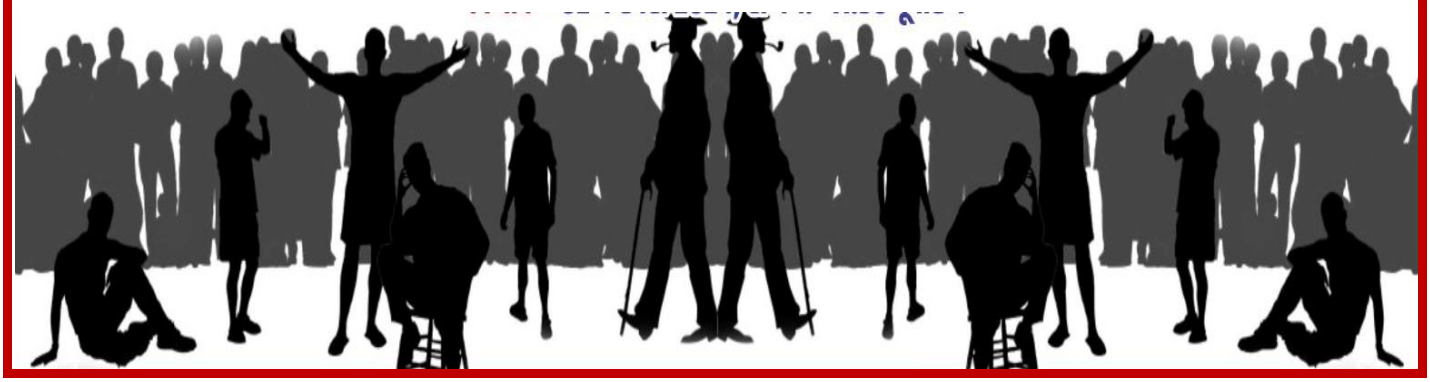

जागरूकता अभियान-पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार

प्रयागराज। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में एक माह तक चल रहे शिविर में नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति ङ'परिवर्तन की पाठशाला'ङ का आयोजन दिनांक 02.02.2024 को किया गया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सामान्य जन हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार का सन्देश नाट्य मंचन द्वारा था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मेला क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाले आगन्तुकों एवं दर्शनार्थियों को वानिकी के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वन बढ़ाने के क्रम में सरकार द्वारा लगाए जा रहे वृक्षों की देखभाल करना तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। गंगा को प्रदूषित करने में मनुष्य की विभिन्न विपरीत गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही इन गतिविधियों में बदलाव लाकर गंगा को स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नुक्कड़ नाट्य संस्था की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों की सराहना किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवा निवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया तथा नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा प्रयास हेतु केन्द्र की सराहना किया गया। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा माघमेला, प्रयागराज द्वारा बचाव ही हमारा कर्तव्य है के उद्देश्य को पूरा करने के क्रम में अग्निशमन कर्मियों द्वारा किसी माध्यम से लगने वाली आग से सुरक्षित रहने के लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी साथ ही पर्यावरण सुधार में अग्निशमन को भी एक अंग बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा नुक्कड़ नाट्य कलाकारों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक एवं अन्य कर्मचारी गण के साथ अग्निशमन विभाग के सुग्रीव यादव, टीम हेड, राम कृष्ण पाण्डेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन तथा समशेर अली, फायर मैन आदि उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए किया जागरूक

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में एक माह तक चल रहे शिविर में नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति **परिवर्तन की पाठशाला** का आयोजन शुक्रवार को किया।

नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सामान्य जन हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार का सन्देश नाट्य मंचन द्वारा था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मेला क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाले आगन्तुकों एवं दर्शनार्थियों को वानिकी के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वन बढ़ाने के क्रम में सरकार द्वारा लगाए जा रहे वृक्षों की देखभाल करना तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। गंगा को प्रदूषित करने में मनुष्य की विभिन्न विपरीत गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही इन गतिविधियों में बदलाव लाकर गंगा को स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नुक्कड़ नाट्य संस्था की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों की सराहना किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवा निवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया तथा नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा प्रयास हेतु केन्द्र की सराहना किया गया। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा माघमेला, प्रयागराज द्वारा बचाव ही हमारा कर्तव्य है के उद्देश्य को पूरा करने के क्रम में अग्निशमन कर्मियों द्वारा किसी माध्यम से लगने वाली आग से सुरक्षित रहने के लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी साथ ही पर्यावरण सुधार में अग्निशमन को भी एक अंग बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा नुक्कड़ नाट्य कलाकारों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक एवं अन्य कर्मचारी गण के साथ अग्निशमन विभाग के सुग्रीव यादव, टीम हेड, राम कृष्ण पाण्डेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन तथा समशेर अली, फायर मैन आदि उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मंचन

प्रयागराज, हिन्दुस्तान संवाद। माघ मेला स्थित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के शिविर में शुक्रवार को अभिनय नाट्य संस्था की ओर से नाटक परिवर्तन की पाठशाला का मंचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने पर्यावरण संरक्षण और गंगा की निर्मलता के प्रति जागरूक किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नुक्कड़ नाट्य संस्था के कलाकारों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व संयुक्त निदेशक ने कहा कि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक, सुग्रीव यादव, राम कृष्ण पांडेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, शमशेर अली मौजूद रहे।

माघ मेला स्थित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के शिविर में शुक्रवार को अभिनय नाट्य संस्था की ओर से नाटक परिवर्तन की पाठशाला का मंचन किया गया।